YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)

Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 02.12.2017

DAINIK BHASKAR

एनएडी प्रकोष्ठ स्थापित करने के लिए सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज के साथ किया समझौता

वाईएमसीए में शैक्षणिक दस्तावेजों होंगे डिजिटल

भास्कर न्यूज|फरीदाबाद

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों को प्रमाण पत्रों के पुनः प्रमाणीकरण और सत्यापन के लिए अब चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। क्योंकि वाईएमसीए में शैक्षणिक दस्तावेजों को डिजिटल किया जाएगा। इसके लिए उसने राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (एनएडी) प्रकोष्ठ स्थापित करने के लिए सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज के साथ एक समझौता किया है। एनएडी शैक्षणिक दस्तावेजों का एक ऑनलाइन स्टोर है। जहां शैक्षणिक संस्थान द्वारा डिग्री, डिप्लोमा, प्रमाण-पत्र तथा मार्कशीट्स को डिजिटल प्रारूप में रखा जाता है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने हाल ही में जारी अपने परिपत्र में विश्वविद्यालयों को एनएडी प्रकोष्ठ स्थापित करने तथा आदम्कि दस्तावेजों की डिजिटल प्रारूप में प्रमाणिकता सुनिश्चित बनाए रखने के लिए सरकार द्वारा अनुमोदित दो डिपॉजिटरी एनएसडीएल डाटाबेस मैनेजमेंट लिमिटेड तथा सीडीएसएल वेंचर्स लिमिटेड में से किसी एक के साथ सर्विस लेवल एग्रीमेंट करने के लिए कहा था। इसी के तहत किए गए समझौते पर खुशी जताते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि अकादमिक प्रमाण पत्रों की डिजिटल डिपॉजिटरी बनाना तथा इसका रख-रखाव एक महत्वपूर्ण तथा जिम्मेदारी का कार्य है।

उन्होंने कहा कि दस्तावेजों के डिजिटल होने से भावी नियोक्ताओं तथा शैक्षणिक संस्थानों को विद्यार्थियों के अकादमिक प्रमाण पत्रों की सत्यापन प्रक्रिया आसान होगी। कुलसचिव डॉ. एसके शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय की इस पहल से विद्यार्थियों को दाखिले के समय मार्कशीट्स तथा प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए चक्कर काटने नहीं पड़ेंगे।

फरीदाबाद. कुलसचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा सेंट्रल डिपाजिटरी सर्विसेज लिमिटेड के साथ समझौता पत्र का हस्तांतरण करते हुए।

NEWS CLIPPING: 02.12.2017

NAVBHARAT TIMES

वाईएमसीए विश्वविद्यालय में शैक्षणिक दस्तावेज होंगे डिजिटल

डिग्री, प्रमाणपत्र आदि में छेड़छाड़ पर लग सकेगी रोक

वरिष्ठ संवाददाता, फरीदाबाद

यूनिवर्सिटी ने सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड के साथ किया है समझौता

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने नैशनल अकैडमिक डिपॉजिटरी (एनएडी) प्रकोष्ठ स्थापित करने के लिए सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड के साथ समझौता किया है। एनएडी शैक्षणिक दस्तावेजों का एक ऑनलाइन स्टोर है, जहां शिक्षा संस्थान की तरफ से डिग्री, डिप्लोमा, प्रमाण-पत्र तथा मार्कशीट्स को डिजिटल प्रारूप में रखा जाता है।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि अकादमिक प्रमाण पत्रों का डिपॉजिटरी बनाना और उसका रखरखाव करना महत्वपूर्ण काम है। दस्तावेजों के डिजिटल होने से नियोक्ताओं व शैक्षणिक संस्थानों को विद्यार्थियों के अकादमिक प्रमाण पत्रों का सत्यापन करने में आसानी होगी। इसके साथ ही नकली या फर्जी शैक्षणिक सर्टिफिकेट के मामलों पर अंकुश लगेगा।

कुलसचिव डॉ. एस.के. शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय की इस पहल से विद्यार्थियों को दाखिले के समय मार्कशीट्स व सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। साथ ही भविष्य में विश्वविद्यालय कागज आधारित प्रमाण-पत्र बंद करने के विकल्प पर भी विचार कर सकता है।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. हरिओम ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक डिपॉजिटरी में अकादमिक दस्तावेजों के रखरखाव से शिक्षण संस्थानों, विद्यार्थियों व नियोक्ताओं को काफी फायदा होगा, क्योंकि वे इन दस्तावेजों को ऑनलाइन देख सकेंगे। उन्हें प्रमाण पत्रों के सत्यापन के लिए संस्थान नहीं जाना पड़ेगा। इससे प्रमाण पत्रों से होने वाली छेड़छाड़ पर भी रोक लगेगी। विश्वविद्यालय ने एनएडी प्रकोष्ठ के लिए सहायक कुलसचिव डॉ. सचिन गुप्ता को नोडल अधिकारी बनाया है, जो डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. नरेश चौहान की देखरेख में काम करेंगे।

NEWS CLIPPING: 02.12.2017

DAINIK JAGRAN

डिजिटल होंगे वाईएमसीए विवि के शैक्षणिक दस्तावेज

सेंट्रल डिपाजिटरी सर्विसेज लिमिटेड के साथ किया गया है समझौता, विद्यार्थियों को प्रमाण पत्रों के पुन: प्रमाणीकरण व सत्यापन के लिए नहीं काटने पड़ेंगे चक्कर

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फरीदाबाद ने राष्ट्रीय अकादमिक डिपाजिटरी (एनएडी) प्रकोष्ठ स्थापित करने के लिए सेंट्रल डिपाजिटरी सर्विसेज लिमिटेड के साथ एक समझौता किया है। एनएडी शैक्षणिक दस्तावेजों का एक ऑनलाइन स्टोर है, जहां शैक्षणिक संस्थान द्वारा डिग्री, डिप्लोमा, प्रमाण पत्र तथा मार्क-शीट्स को डिजिटल प्रारूप में रखा जाता है।

उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अपने परिपत्र में विश्वविद्यालयों को एनएडी प्रकोष्ठ स्थापित करने तथा अकादमिक दस्तावेजों की डिजिटल प्रारूप में प्रमाणिकता सुनिश्चित बनाए रखने के लिए सरकार द्वारा अनुमोदित दो डिपाजिटरी नामतः एनएसडीएल डाटाबेस मैनेजमेंट लिमिटेड तथा सीडीएसएल वेंचर्स लिमिटेड में से किसी एक के साथ सर्विस लेवल एग्रीमेंट करने के लिए कहा था।

समझौते पर प्रसन्नता जताते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि अकादमिक प्रमाण पत्रों की डिजिटल डिपाजिटरी बनाना तथा इसका रख-रखाव एक महत्वपूर्ण तथा जिम्मेवारी का कार्य है। उन्होंने कहा कि दस्तावेजों के डिजिटल होने से भावी नियोक्ताओं तथा शैक्षणिक संस्थानों को विद्यार्थियों के अकादमिक प्रमाण पत्रों की सत्यापन प्रक्रिया आसानी से होगी।

कुलसचिव डॉ.एसके.शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय की इस पहल से विद्यार्थियों को दाखिले के समय मार्क-शीट्स तथा प्रमाण पत्रों को प्राप्त करने के लिए चक्कर काटने नहीं पड़ेंगे और भविष्य में विश्वविद्यालय कागज आधारित प्रमाण पत्र जारी करने को बंद करने के विकल्प पर भी विचार कर सकता है।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ.हरिओम ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक डिपाजिटरी में अकादमिक दस्तावेजों के रख-रखाव से शिक्षण संस्थानों, विद्यार्थियों तथा नियोक्ताओं को काफी लाभ होगा क्योंकि वे अकादमिक दस्तावेजों को आनलाइन देख सकेंगे और उन्हें प्रमाण पत्रों के सत्यापन के लिए शिक्षण संस्थान जाना नहीं पड़ेगा। इससे प्रमाण पत्रों से होने वाली छेड़छाड़ पर भी रोक लगेगी। एनएडी प्रकोष्ठ के सहायक कुलसचिव डॉ.सचिन गुप्ता इस कार्य के नोडल अधिकारी होंगे, जो विश्वविद्यालय में डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ.नरेश चौहान की देखरेख में कार्य करेंगे।

YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)

Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 02.12.2017

PUNJAB KESARI

वाईएमसीए विश्वविद्यालय करेगा शैक्षणिक दस्तावेजों को डिजिटल

सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड के साथ किया समझौता

फरीदाबाद, 1 दिसम्बर (ब्यूरो) : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद ने राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (एनएडी) प्रकोष्ठ स्थापित करने के लिए सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड के साथ एक समझौता किया है। एनएडी शैक्षणिक दस्तावेजों का एक ऑनलाइन स्टोर हैं, जहां शैक्षणिक संस्थान द्वारा डिग्री, डिप्लोमा, प्रमाणपत्र तथा मार्कशीट्स को डिजिटल प्रारूप में रखा जाता है।

उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अपने परिपत्र में विश्वविद्यालयों को एनएडी प्रकोष्ठ स्थापित करने तथा अकादमिक दस्तावेजों की डिजिटल प्रारूप में प्रमाणिकता सुनिश्चित बनाए रखने के लिए सरकार द्वारा अनुमोदित दो डिपॉजिटरी नामत: एनएसडीएल डाटाबेस मैनेजमेंट लिमिटेड तथा सीडीएसएल वेंचर्स लिमिटेड में से किसी एक के साथ सर्विस लेवल एग्रीमेंट करने के लिए कहा था। समझौते पर प्रसन्नता जताते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि अकादमिक प्रमाण पत्रों की डिजिटल डिपॉजिटरी बनाना तथा इसका रख-रखाव एक महत्वपूर्ण तथा जिम्मेवारी का कार्य है। उन्होंने कहा कि दस्तावेजों के डिजिटल होने से भावी नियोक्ताओं तथा शैक्षणिक संस्थानों को विद्यार्थियों के अकादमिक प्रमाण पत्रों की सत्यापन प्रक्रिया आसानी से होगा। डॉ. एसके शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय की इस पहल से विद्यार्थियों को दाखिले के समय मार्कशीट्स तथा प्रमाण पत्रों प्राप्त करने के लिए चक्कर काटने नहीं पड़ेंगे और भविष्य में विश्वविद्यालय कागज आधारित प्रमाण पत्र जारी करने को बंद करने के विकल्प पर भी विचार कर सकता है।

डॉ. संजय कुमार सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड के साथ समझौता पत्र का हस्तांतरण करते हुए।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. हरि ओम ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक डिपॉजिटरी में अकादमिक दस्तावेजों के रख-रखाव से शिक्षण संस्थानों, विद्यार्थियों तथा नियोक्ताओं को काफी लाभ होगा क्योंकि वे अकादमिक दस्तावेजों को ऑनलाइन देख सकेंगे और उन्हें प्रमाणपत्रों के सत्यापन के लिए शिक्षण संस्थान जाना नहीं पड़ेगा। इससे प्रमाण पत्रों से होने वाली छेड़छाड़ पर भी रोक लगेगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा एनएडी प्रकोष्ठ के लिए सहायक कुलसचिव डॉ. सचिन गुप्ता को नोडल अधिकारी लगाया गया है, जो डॉ. नरेश चौहान जोकि विश्वविद्यालय में डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के नोडल अधिकारी हैं, देखरेख में कार्य करेंगे। एनएडी शैक्षणिक दस्तावेजों का एक ऑनलाइन स्टोर है, जहां शैक्षणिक संस्थान द्वारा डिग्री, डिप्लोमा, प्रमाण पत्र तथा मार्क-शीट्स को डिजिटल प्रारूप में रखा जाता है। एनएडी के माध्यम से चौबीस घंटे शैक्षणिक दस्तावेजों की जानकारी सुरक्षित तरीके से हासिल की जा सकती है।

पंजाब केसरी ई-पेपर Sat, 02 December 2017 epaper.punjabkesari.in//c/24220562

NEWS CLIPPING: 02.12.2017

AMAR UJALA

प्रमाणपत्र के लिए नहीं काटने पड़ेंगे कॉलेज के चक्कर

शैक्षणिक दस्तावेज को डिजिटल करेगा वाईएमसीए

अमर उजाला ब्यूरो

फरीदाबाद।

वाईएमसीए विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को दाखिले के समय मार्कशीट और प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए कॉलेज के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। भविष्य में विश्वविद्यालय कागज आधारित प्रमाण पत्र जारी करने को बंद करने के विकल्प पर भी विचार कर सकता है।

शुक्रवार को वाईएमसीए ने राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (एनएडी) प्रकोष्ठ स्थापित करने के लिए सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड के साथ समझौता किया है। एनएडी शैक्षणिक दस्तावेजों का एक ऑनलाइन स्टोर है, जहां शैक्षणिक संस्थान द्वारा डिग्री, डिप्लोमा, प्रमाण पत्र तथा मार्कशीट को डिजिटल प्रारूप में रखा जाता है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि अकादमिक प्रमाण पत्रों की डिजिटल डिपॉजिटरी बनाना और इसका रखरखाव एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का कार्य है।

उन्होंने कहा कि दस्तावेजों के डिजिटल होने से भावी नियोक्ताओं तथा शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों के अकादमिक प्रमाण पत्रों की सत्यापन प्रक्रिया आसानी होगी। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. एसके शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय की इस पहल से विद्यार्थियों को खासा लाभ होगा।

NEWS CLIPPING: 02.12.2017

HINDUSTAN

छात्रों का डाटा ऑनलाइन होगा

फरीदाबाद। वरिष्ठ संवाददाता

सहूलियत

- एनएसडीएल डाटाबेस मैनेजमेंट लिमिटेड के साथ करार
- प्रशासनिक दस्तावेज ऑनलाइन रखा जा सकेंगे

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय अकादमिक डिपाजिटरी (एनएडी) प्रकोष्ठ स्थापित किया जा रहा है। इसके लिए शुक्रवार को एनएसडीएल डाटाबेस मैनेजमेंट लिमिटेड के साथ शुक्रवार को समझौता किया है। इसके माध्यम से शैक्षणिक संस्थान के सभी प्रशासनिक दस्तावेज को ऑनलाइन रखा जा सकता है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के तहत आने वाले सभी शैक्षणिक संस्थान के दस्तावेज को ऑनलाइन करने का निर्देश दिया गया है। इसके मद्देनजर विश्वविद्यालय परिसर में एनएडी प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। इसके लिए सरकार की ओर से एनएसडीएल डाटाबेस मैनेजमेंट लिमिटेड और सीडीएसएल वेंचर्स लिमिटेड नामक कंपनी को स्वीकृत किया गया है। इनमें से किसी भी एक कंपनी से डाटा रखने के लिए अनुबंध किया जा सकता है।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि इसके माध्यम से अकादमिक प्रमाण पत्रों को डिजिटल रूप से रखा जा सकता है। इसे सुरक्षित रखा एक विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण जिम्मेवारी है। दस्तावेजों को ऑनलाइन होने से नियोक्ताओं और शैक्षणिक संस्थानों को विद्यार्थियों के अकादमिक प्रमाण पत्रों को सत्यापित करने की प्रक्रिया आसान हो जाएगी। कुलसचिव डॉ. एसके शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय की इस पहल से विद्यार्थियों को दाखिले के समय अंकपत्र तथा प्रमाण पत्रों को प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालयों का चक्कर नहीं काटना होगा। भविष्य में विश्वविद्यालय कागज आधारित प्रमाण पत्र जारी करने को बंद करने पर भी विचार कर सकता है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. हरिओम ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक डिपाजिटरी में अकादमिक दस्तावेजों के रख-रखाव से शिक्षण संस्थानों, विद्यार्थियों तथा नियोक्ताओं को काफी लाभ होगा। अकादमिक दस्तावेजों को अपने क्रमांक के माध्यम से आनलाइन देख सकेंगे।